कार्यक्रम सूची

1. सामयिक विषयों पर विचार गोष्ठी, परिचर्चा, निबंध, भाषण एवं चित्र कला प्रतियोगितायें।
2. विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य करने वाले समाज के लोगों का सम्मान।
3. बच्चों के लिये भारतीय परिवेश के फैन्सी ड्रैस, नृत्य, गायन आदि।
4. विभिन्न खेल प्रतियोगितायें।
5. सामूहिक सरल विवाह, आयोजन अवधि में पड़ने वाले राष्ट्रीय एवं धार्मिक त्योहारों का आयोजन। महिलाओं हेतु मेंहदी, रंगोली, पूजा का थाल सज्जा, पाक कला प्रतियोगिता। धार्मिक एवं लोक संस्कृति पर आधारित अन्ताक्षरी प्रतियोगिता। नगर के विभिन्न प्रवेश मार्गों एवं रेलवे स्टेशन पर स्वागत बोर्ड लगवाना। तुलसी आदि उपयोगी पौधों का वितरण एवं वृक्षारोपण।
6. समाज के सभी वर्ग के श्रेष्ठ जनों को परिषद् साहित्य उपलब्ध कराना। हल्के वाहनों हेतु पुलिस के सहयोग से ग्रीन कार्ड बनवाना। कैरियर गाइडेंस काउन्सिलिंग, भजन संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम। बाल संस्कार शिविर, व्यक्तित्व विकास शिविर, प्रौढ़ संस्कार शिविर, परिवार संस्कार शिविर, बंदे मातरम् गायन प्रशिक्षण एवं गायन प्रतियोगितायें।

प्रान्तीय आख्या

भारत विकास परिषद्, प्रान्त

संस्कृति सप्ताह वर्ष _____

कुल शाखायें _____ सप्ताह संयोजक _____ प्रान्तीय महासचिव _____

क्र.सं.	शाखा का नाम	सप्ताह संयोजक	कार्यक्रमों की का संख्या	उपस्थिति संख्या	विशेष

दि. _____ ह. प्रान्तीय सप्ताह संयोजक _____ ह. प्रान्तीय महासचिव _____

आख्या-शाखा

भारत विकास परिषद्, शाखा

संस्कृति सप्ताह वर्ष _____

सदस्य संख्या _____ शाखा सचिव श्री/श्रीमति _____ सप्ताह संयोजकः श्रीमति _____

क्रं.	कार्यक्रम	दिनांक	स्थान	कार्यक्रम संयोजक	मुख्य अतिथि	उपस्थिति		विशेष
						सदस्य	अतिथि	

दिनांक _____ ह. सप्ताह संयोजक _____ ह. शाखा सचिव _____

भारत विकास परिषद्

भारत विकास भवन, बी.डी. ब्लाक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-34

दूरभाष : 011-27313051, 27316049 फैक्स : 011-27314515

ई मेल : bvp@bvpindia.com वेबसाइट : www.bvpindia.com

भारत विकास परिषद् से सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए परिषद् की वेबसाइट www.bvpindia.com को देखें।

Printed by : Yashika Printers # 9818383198 July 15

सम्पर्क ✦ सहयोग ✦ संस्कार ✦ सेवा ✦ समर्पण

भारत विकास परिषद्

Bharat Vikas Parishad

संस्कृति सप्ताह

भारत विकास परिषद् प्रकाशन

स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत ❖ Swasth-Samarth-Sanskarit Bharat

संस्कृति सप्ताह

संस्कृति सप्ताह परिषद् के पांचों स्तम्भ सूत्र संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण का जीवन्त मूर्त रुप है। यह परिषद् के अत्यंत लोकप्रिय कार्यक्रम "विकास सप्ताह" जिसे अपने शैशव काल में "परिषद् सप्ताह" के नाम से जाना जाता था का नया नाम है। वर्ष 1986 में इसके आरम्भ से ही पूरे देश की अधिकांश शाखाओं में इसका आयोजन पूर्ण उत्साह से हो रहा है।

मूलत: संस्कृति सप्ताह परिषद् का प्रचार-प्रसार एवं जन-सम्पर्क का प्रमुख कार्यक्रम है। परिषद् के सभी आधार स्तम्भों के प्रस्तुतिकरण का सशक्त माध्यम है, किसी संस्था द्वारा लिये जाने वाले कार्यक्रम ही उस संस्था की पहचान होते हैं तथा उससे प्रभावित होकर ही लोग उस संस्था से जुड़ते हैं। भारतीय संस्कृति एवं संस्कारयुक्त कार्यक्रम समाज के सम्मुख रखकर परिषद् का नाम और प्रतिष्ठा बढ़ाना ही संस्कृति सप्ताह को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान समाज के सभी वर्गों एवं सभी उम्र के लोगों के लिये कार्यक्रम करने का प्रयास रहता है।

समाज के अर्द्धांग अर्थात् महिलायें समाज का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग हैं। बिना उनकी सक्रिय भागीदारी के समाज के सर्वांगीण विकास की कल्पना बेमानी है। परिषद् अपने स्थापना काल से ही इस महत्वपूर्ण बिन्दु पर सचेत है, इसीलिये परिषद् की सदस्यता एकल न होकर दम्पत्ति की है अर्थात् पति या पत्नी के सदस्य बनते ही उसका जीवन साथी भी परिषद् का सदस्य हो जाता है। **माहिलायें आगे बढ़ें, समाज के कार्यों में उनकी रुचि बढ़े, उनकी उत्तरदायित्व की भावना में वृद्धि हो और वे समाज की अग्रिम पंक्ति में अपना स्थान बनायें इस विचार से संस्कृति सप्ताह का आयोजन महिला सदस्यों द्वारा पुरुष सदस्यों के सहयोग से सम्पादित किया जाता है।**

सप्ताह के दौरान किये जाने वाले कार्यक्रमों को चयन करने में शाखायें स्वतंत्र हैं परंतु कार्यक्रम परिषद् की मूल भावना के अनुरुप हों एवं समाज के सभी उम्र के लोगों का हित देखते हुए लिये जायें। संस्कृति सप्ताह के राष्ट्रीय पुरस्कार की पात्रता हेतु शाखाएं कार्यक्रमों का चयन राष्ट्रीय प्रकल्प एवं कार्यक्रम जैसे राष्ट्रीय समूहगान, भारत को जानो, गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन आदि को कार्यक्रमों की सूची में शामिल न करें। पांच या इससे अधिक कार्यक्रम करने वाली प्रत्येक शाखा को केन्द्र की ओर से प्रमाण-पत्र दिया जाता है तथा चयनित शाखाओं को राष्ट्रीय अधिवेशन में पुरस्कृत किया जाता है। शाखाएं कार्यक्रमों का चयन अगले पृष्ठ पर दी गई सूची में से भी कर सकती हैं।

विचारणीय बिन्दु

क्षेत्र की भूमिका- क्षेत्रीय महामंत्री अपने क्षेत्र के प्रांतों के महासचिवों एवं संयोजक संस्कृति सप्ताह को प्रेरित करें कि वे अपने प्रान्तों की शाखाओं के सतत् संपर्क में रह कर उन्हें संस्कृति सप्ताह के आयोजन हेतु प्रेरित करें तथा आख्या प्राप्त कर लें।

प्रान्त की भूमिका- प्रान्त की कार्य कारिणी गठित करते समय किसी सक्रिय सुयोग्य महिला सदस्य को संयोजक संस्कृति सप्ताह के रुप में नियुक्त कर दें ताकि उनको शाखाओं से संपर्क करने हेतु पर्याप्त समय मिल सके एवं प्रान्तीय संयोजक का नाम, पता, फोन नं. सहित क्षेत्रीय महामंत्री एवं केन्द्रीय कार्यालय को भेज दें।

प्रान्त की परिस्थितियों एवं सुविधा की दृष्टि से इस हेतु निर्धारित मास सितम्बर में से किसी एक सप्ताह का चयन कर सभी शाखाओं से इन्हीं चयनित तिथियों में अयोजन हेतु अनुरोध करें ताकि पूरे प्रान्त में परिषद्मय वातावरण बन सकें।

प्रान्तीय दायित्वधारी प्रान्तीय महासचिव की सहमति से शाखा कार्यक्रमों में अवश्य जायें ताकि उन्हें कार्यक्रमों की गुणवत्ता आदि की जानकारी हो सके। अपनी आख्या से वह प्रान्तीय महासचिव को अवश्य अवगत करा दें।

श्रेष्ठ आयोजन करने वाली शाखाओं को पुरस्कृत करें एवं इस हेतु एक पुरस्कार समिति का गठन करें ताकि वह शाखाओं की आख्या एवं दायित्वधारियों की आख्या पर विचार कर श्रेष्ठ आयोजन करने वाली शाखाओं का चयन कर सके।

अपने प्रान्त की आख्या 15 नवम्बर से पूर्व केन्द्रीय कार्यालय को निर्धारित प्रारुप में अवश्य भिजवा दें तथा प्रान्त द्वारा चयनित प्रथम आई शाखा की सूचना भी प्रेषित करें।

शाखा स्तर पर

1. पूरे देश की सभी शाखाओं में संस्कृति सप्ताह का आयोजन अपनी किसी महिला सदस्य की अगुवाई में होना चाहिये। सत्र के प्रारंभ में कार्यकारिणी गठन के समय ही किसी सक्रिय सुयोग्य महिला सदस्य को संस्कृति सप्ताह का संयोजक नियुक्त कर दें ताकि उन्हें कार्यक्रम संयोजक आदि नियुक्त करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। संयोजक का नाम, पता, फोन नं. सहित प्रान्त को सूचित करें।

2. प्रान्त द्वारा चयनित तिथियों में ही आयोजन करें।

3. **सप्ताह में पांच या इससे अधिक कार्यक्रम आयोजित करना आवश्यक है।**

4. परिषद् परिवार में अनेक प्रतिभायें हैं। आवश्यकता है उन्हें उचित अवसर प्रदान कर आगे लाने की ताकि उनकी प्रतिभा समाज के सम्मुख आ सके और उसका समुचित सदुपयोग हो, अस्तु केन्द्रीय नेतृत्व ने संस्कृति सप्ताह में एक पारिवारिक सांस्कृतिक आयोजन करना अनिवार्य कर दिया है। इसमें परिषद् सदस्य, परिषद् परिवार की महिलायें व बच्चे ही भाग ले सकते हैं। कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति, लोक संस्कृति आदि पर आधारित होने चाहियें।

5. अपने आयोजन की आख्या निर्धारित प्रारुप में 15 अक्टूबर तक अपने प्रान्तीय महासचिव को अवश्य भेज दें। आख्या के साथ आयोजन का आमंत्रण पत्र, फोटो, समाचार पत्रों की कटिंग अवश्य संलग्न करें।

6. शाखायें संस्कृति सप्ताह के कार्यक्रम निर्धारित करने हेतु स्वतंत्र हैं परन्तु कार्यक्रम निर्धारित करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कार्यक्रम सभी उम्र व सभी वर्ग के लोगों के लिये हों तथा उनसे कहीं भी भारतीय संस्कृति व संस्कारों पर विपरीत प्रभाव न पड़े।

7. आपके कार्यों/आयोजनों का समुचित प्रचार-प्रसार हो इसलिये मीडिया का सहयोग अवश्य लें। संभव हो तो सप्ताह के प्रारंभ से पूर्व एक प्रेस वार्ता आयोजित कर समाचार पत्र प्रतिनिधियों (प्रिंट एवं इलैक्ट्रोनिक दोनों) को अयोजन की पूरी जानकारी दें। कार्यक्रमों में भी प्रेस को आमंत्रित करें तथा पूर्व में तैयार प्रेस नोट उन्हें दे दें ताकि उन्हें समाचार तैयार करते समय उपयुक्त जानकारी मिल सके।

8. संस्कृति सप्ताह मुख्यत: प्रचार-प्रसार एवं जन-संपर्क का कार्यक्रम है अस्तु समाज के सभी वर्ग के श्रेष्ठ लोगों को अपने आयोजनों में आमंत्रित करें। उन्हें परिषद् की जानकारी दें एवं अपने साथ जोड़ने का प्रयास करें।